Daily Gospel Reflections in Hindi

31 August 2019

मारकूस 13 : 3 - 13

False Prophets

आज के समय में धर्म सबसे आसान और सस्ता व्यवासाय बन गया है। हर ओर आश्रम बन रहें हैं, अनेक धर्मगुरु और विश्वास के मार्गदर्शक आये दिन सामने दिखते है। प्रभु येसु हमें बताते हैं कि जिस वक्त हमें सच्चे मार्ग दर्शन की जरुरत होती है तभी ऐंसे झूठे लोग मिलते हैं जो सच्चे राह से भटकाते हैं। सच्चे व्यक्ति की पहचान का वरदान भी हमें पवित्र आत्मा से मिलता है। यह भी सर्वथा सत्य है कि गलत मार्ग और सलाह हमेशा आसान एवं रुचिकर होता है। यही प्रभु हम से कहते हैं कि झूठे नबी उत्पन्न होंगे और बोलेंगे के प्रभु को पाने का सच्चा रास्ता यह है। स्वर्ग जाने का सबसे सटीक मार्ग यह है। इस साधना से लाभ होगा। उस से यह होगा वह होगा...!

इब्रानियों के लिखे पत्र में लेखक कहता है –प्राचीन काल में ईश्वर हमारे पूवर्जों से नाना प्रकार से बोला लेकिन युग के अन्त में वह अपने पुत्र के द्वारा बोला है–। कलीसिया का भी यही विश्वास है कि येसु में ही सही, अंतिम व संपूर्ण प्रकाशन और ईश्वरीय ज्ञान की परीपूर्णता है। क्या प्रभु से बढ़कर कोई मार्ग बता सकता है? क्या येसु के अलावा कोई और शिक्षा है? प्रभु ने कहा कि मार्ग सत्य और जीवन मैं ही हूँ, क्या इस से ज्यादा सत्य और मार्ग कोई भी साधना में, गुरु में या धर्मकर्म में पाया जा सकता है ? जो प्रभु के मार्ग पर चलता और उन की शिक्षा को समझता है वह समय के चिन्हों को पहचानता है। जो समय के चिन्हों को नही पहचानता वह प्रभु की शिक्षा और मार्ग पर नही चलता क्या इस से भी आसान तरीके से इसे समझाया जा सकता है? जो प्रभु के वचन को पढ़ता है और उस से मिलने वाले वरदान के लिए स्वयं को खोलता है उसे प्रभु मार्ग दिखाता है। आज व्यक्तिक नबियों, गुरुओं का स्थान कुछ हद तक सोश्यिल मीडिया ने ले लिया हैं जहाँ हर ओर से सच्चा और सही मागदर्शन का आभास मिलता है। जब हम प्रभु को अपना सर्वस्व मान लेंगे तब हमें ना किसी अन्य मार्ग दर्शक की आवश्यकता होगी और ना हम झूठे नबियों के फेर में पढ़ेगें।

Rev. Fr. Anil Francis

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019